

पहला कॉलम

बोनी कपूर, बेटी जाह्नवी और खुशी को सुप्रीम कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की चेन्नई स्थित संपत्ति को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। अदालत ने मामले में श्रीदेवी के पति बोनी कपूर और उनकी बेटीयों जाह्नवी कपूर तथा खुशी कपूर को नोटिस जारी किया है। साथ ही दोनों पक्षों को आपसी बातचीत और मध्यस्थता के माध्यम से विवाद सुलझाने का सुझाव दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। तब तक संपत्ति के हस्तांतरण, निर्माण और कब्जे की स्थिति में किसी तरह का बदलाव नहीं किया जा सकेगा। यह मामला एमसी शिवकामी और एमसी नटराजन की याचिका से जुड़ा है। दोनों ने महसू उच्च न्यायालय के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसके तहत बोनी कपूर, जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर की याचिका पर उनके द्वारा दायर मुकदमा खारिज कर दिया गया था।

नादिया में महुआ मोइत्रा का विरोध काले झंडे दिखाए

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में विरोध का सामना करना पड़ा। वह अपने संसदीय क्षेत्र में एक बैठक में शामिल होने पहुंची थीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर नारेबाजी की और काले झंडे दिखाए। उनकी गाड़ी पर अंडे भी फेंके गए। पुलिस ने मौके से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। महुआ मोइत्रा ने इस घटना के पीछे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का हाथ होने का आरोप लगाया है। घटना के बाद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वह अपने संसदीय क्षेत्र में बैठक के लिए पहुंची थीं। उनके अनुसार, इसी दौरान भाजपा के मंडल सभापति, पंचायत समिति सभापति और अन्य कार्यकर्ता वहां पहुंचे। महुआ ने दावा किया कि उनके साथ पुलिसकर्मी मौजूद थे और पुलिस की मौजूदगी में ही उनके ऊपर अंडे फेंके गए।

तुकाराम मुंडे ने अस्पतालों के बिल पर उठाए सवाल, बोले- 6 रुपये की सिरिज की एमआरपी 57

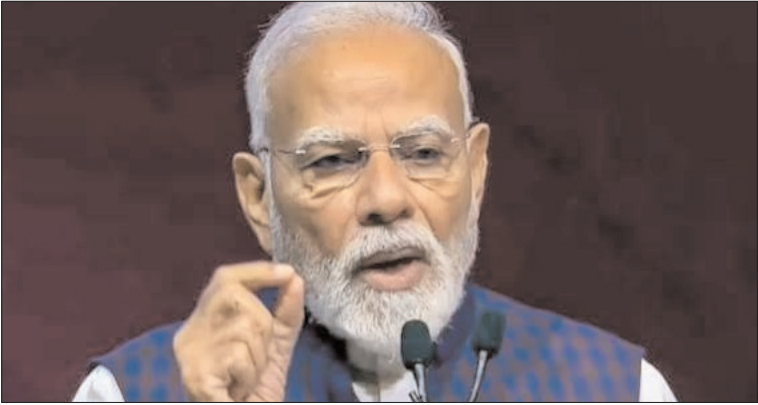
मुंबई। होटलों और रेस्तरां के खिलाफ कार्रवाई को लेकर चर्चा में रहे महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंडे ने अब चिकित्सा उपकरणों और अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की कीमतों में भारी अंतर का मुद्दा उठाया है। उन्होंने चिकित्सा उत्पादों की खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य में बड़े अंतर पर चिंता जताते हुए इसकी समीक्षा और कीमतों की निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था की जरूरत बताई है। मुंडे के अनुसार, एक निजी अस्पताल ने एक अंतःशिरा द्रव सेट (आईवी सेट) को बहर 11.05 रुपये में खरीदा, जबकि उसकी अधिकतम खुदरा कीमत 325 रुपये निर्धारित थी। यानी खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा कीमत के बीच करीब 2,841 प्रतिशत का अंतर था। उन्होंने बताया कि अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाले कई अन्य चिकित्सा उत्पादों में भी खरीद कीमत।

मोदी ने जन्मदिन पर सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने बोले....भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम मोदी ने अपने 76वें जन्मदिन पर 'सेमीकॉन इंडिया 2026' का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर 2026 तक चलने वाली यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम पर आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में भारत समेत 52 देशों की कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। कार्यक्रम की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन से जुड़ी ग्लोबल और भारतीय कंपनियां, नीति-निर्माता, निवेशक, रिसर्चर, स्टार्ट-अप, शैक्षणिक संस्थान और छात्र एक साथ आएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। देश की सेमीकंडक्टर चिप्स ग्लोबल मार्केट तक पहुंच रही हैं। उन्होंने सितंबर में जारी तिमाही लक्ष्यरिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण दौर में भी भारत ने 7.8ब की ग्रोथ हासिल की। इसी दौरान जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की



सॉल्वरेन रेटिंग अपग्रेड की, जो करीब 35 साल बाद हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर ऐसा नहीं है कि फैक्ट्री लगाई और काम पूरा हो गया। इसमें टेक्नोलॉजिकल कैपेबिलिटी बनाने में दशकों लगते हैं। लेकिन भारत ने चिप डिजाइन, मैनुफैक्चरिंग, इंफ्रिपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग कैपेबिलिटी पर एकसाथ काम किया और सफलता हासिल की है। बता दें कि तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में 15,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय

कंपनियों सहित 600 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख विकास और चुनौतियों पर चर्चा के लिए 150 से अधिक वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस एग्जीबिशन में 6 देशों के पवेलियन और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन शामिल होंगे, साथ ही सेमीकंडक्टर उद्योग में स्टार्टअप, नवाचार, छात्रों, कार्यबल विकास और महिलाओं के लिए समर्पित मंच भी होंगे. स्टार्टअप पवेलियन में लगभग 40 स्टार्टअप प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन: देशभर में जश्न, वडनगर से वाराणसी तक निकली बाइक रैली,कई बड़े नेता हुए शामिल

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी जन्मभूमि वडनगर (गुजरात) से लेकर मौजूदा राजनीतिक कर्मभूमि वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक उत्सव जैसा माहौल है। उनके समर्थकों के अलावा देश के सांविधानिक पदों पर आसीन हस्तिया भी उन्हें बधाई दे रही हैं। पीएम मोदी को विदेश से भी जन्मदिन के शुभकामना संदेश भेजे जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। संदेश में पुतिन ने कहा कि मोदी को देशवासियों का गहरा सम्मान और वैश्विक स्तर पर बड़ी प्रतिष्ठा हासिल है। उन्होंने भारत-रूस के विशेष और राणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में पीएम मोदी के योगदान का जिक्र किया। पुतिन ने हालिया दिल्ली यात्रा के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भी आभार जताया और कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सहयोग जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वडनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत की।

सुप्रिया सुले ने की जांच की मांग

लाडकी बहिन योजना में 9605 करोड़ का बड़ा फर्जीवाड़ा?

मुंबई। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के तहत अयोग्य लाभार्थियों को फंड बांटने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने महायुति सरकार द्वारा इस योजना को लागू करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आवेदन स्वीकार करते समय और लाभार्थियों को तय करते समय की गई वेरिफिकेशन प्रक्रिया के तरीके पर सवाल किया है। सुप्रिया सुले ने (सूचना का अधिकार) से मिली जानकारी का हवाला देते हुए सरकार के कामकाज की आलोचना की। उनके अनुसार, अयोग्य लाभार्थियों को फंड बांटने से योजना को लागू करने में कमियों पर सवाल उठते हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार साफ करे कि जनता के पैसे का इस्तेमाल असल में कैसे किया गया। आरटीआई डेटा पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार, जून 2026 तक उन लाभार्थियों के खातों में कुल 9,605 करोड़ जमा किए गए थे, जिन्हें बाद में अयोग्य पाया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि इस दौरान 46.1 करोड़ पेमेंट एंट्री



लाभार्थियों का डटा में 10 लाख का अंतर

आरटीआई की जानकारी के अनुसार, लाडकी बहिन योजना से 82 लाख लाभार्थियों को हटया गया था, जबकि मंत्री का दावा है कि 92 लाख को हटया गया। एक ही योजना में 10 लाख लाभार्थियों के इस अंतर के लिए कौन जिम्मेदार है? कौन सा आंकड़ा सही है? जब आधार और इनकम टैक्स सिस्टम मौजूद थे, तब 16 लाख अपात्र लोगों और यहां तक कि पुरुषों के खातों में सीधे पैसे जमा किए जा रहे थे, तो उस समय एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी क्या कर रही थी।

दर्ज की गई, जबकि योजना के तहत 39.758 करोड़ एंट्री डा उम्मीद थी। आरटीआई आधारित रिपोर्ट में अयोग्यता के कारणों का भी जिक्र है, जैसे ई केवाईसी पूरा न करना, सालाना पारिवारिक आय सीमा से अधिक आय।

गृह मंत्रालय ने शहजाद भट्टी नेटवर्क को आतंकवादी संगठन घोषित किया गया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के तहत शहजाद भट्टी नेटवर्क एसबीएनको आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। मंत्रालय के अनुसार, यह नेटवर्क सीमा पार से हथियारों, विस्फोटकों और नशीले पदार्थों की तस्करी के साथ-साथ युवाओं और स्थानीय अपराधियों को आतंकवादी गतिविधियों के लिए उकसाने में शामिल है। नेटवर्क के खिलाफ हाल के दिनों में कई मामले दर्ज किए जाने के बाद सरकार ने यह कार्रवाई की है।



मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सरकारी आवास वर्षा में गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गवली ने

7 दिन से स्कूल-बाजार बंद,चीनी का भाव 450 किलो तक पहुंचा

एक बार फिर हिंसा की आग में जला मणिपुर,4 दिन में 6 हत्याएं

मणिपुर/ एजेंसी

मणिपुर में कुकी और नगा समुदायों के बीच बढ़ते तनाव का गहरा असर पहाड़ी इलाकों में जनजीवन पर पड़ा है। कई क्षेत्रों में पिछले 7 दिनों से स्कूल और बाजार बंद हैं। सड़क और हाईवे पर नाकेबंदी के चलते 7 पहाड़ी जिलों से संपर्क प्रभावित हुआ है। सामान्य आवाजाही के साथ जरूरी सामान की सप्लाई भी बाधित होने की खबर

है। कांगपोकपी के कुछ गांवों में चीनी की कीमत 400-450 प्रति किलो तक पहुंचने का दावा स्थानीय लोगों ने किया है। लोगों के मुताबिक, डर के कारण ग्रामीण घरों से बाहर निकलने और खेतों में जाने से बच रहे हैं। मेडिकल इमरजेंसी में अस्पताल या एयरपोर्ट पहुंचना भी मुश्किल बताया जा रहा है। स्थानीय निवासी मॉर्नेट के मुताबिक, जिला मुख्यालय में जरूरी सामान मिल रहा है, लेकिन दूरदराज के गांवों में

स्थिति गंभीर है। वहीं डेविड ने बताया कि कई लोग खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि उखरुल, सेनापति, तामेंगलोंग और चंदेल जैसे नगा-बहुल इलाकों में प्रमुख सड़कों पर नाकेबंदी और चेकपॉइंट बनाए गए हैं। निजी वाहनों के लिए बिना सुरक्षा एस्कॉर्ट आवाजाही मुश्किल बताई जा रही है। कुछ लोगों ने मेडिकल इमरजेंसी और एयरपोर्ट जाने के लिए स्थानीय प्रशासन से अनुमति



लेने की बात कही है। कांगपोकपी के चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव में

मोदी के जन्मदिन पर जोरदार झटका दिया

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ... लगाने वाला बिल संसद से पास

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) के दिन दोस्त डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को जोरदार झटका दिया है। भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाला बिल अमेरिकी संसद से पास हो गया है। बुधवार देर रात अमेरिकी हाउस में सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट बिल-2026 पास हो गया। बिल के पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े। यह बिल रूसी तेल गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का अधिकार देता है। अमेरिकी हाउस के दोनों सदन से पास होने के बाद अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास साइन करने के लिए भेजा जाएगा। ट्रंप के साइन करते ही यह बिल कानून बन जाएगा और फिर भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफलगाू हो जाएगा। बिल को आधिकारिक तौर पर लिंडसे ओ ग्राहम सेंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। बिल पर अमेरिकी हाउस में हुई बहस में भारत और चीन को खास तौर पर उन बड़े



खरीदारों के तौर पर पहचाना गया है जिन पर इस प्रावधान का असर पड़ सकता है। भारत, चीन के अलावा तुर्किये, अजरबैजान, हंगरी, स्लोवाक गणराज्य, यूएई, सिंगापुर, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान पर भी इसका असर देखने को मिलेगा। हालांकि, भारत पर अभी 100 प्रतिशत टैरिफ नहीं लगाया गया है। बिल के कानून बनने के बाद ट्रम्प के पास ऐसा टैरिफलगाने का कानूनी अधिकार हो जाएगा। बिल पास होने के बाद अमेरिकी सांसद माइकल मैककॉल ने कहा कि उन्हें इस बिल के पारित होने पर गर्व है। मैककॉल ने दावा किया कि यह बिल रूस की युद्ध क्षमता को कमजोर करेगा।

पुरानी रंजिश में हत्या की आशंका

किसान नेता चंद्राकर के भतीजे की दर्दनाक हत्या... महानदी तट पर मिली शिक्षक की लाश से सनसनी

आरंग। राजधानी रायपुर से लगे आरंग से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां किसान नेता रुपन चंद्राकर के भतीजे की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई है। उनकी लाश महानदी के तट पर बनचरौदा के पास से बरामद हुआ है। प्रांरभिक रिपोर्टों के अनुसार, शिक्षक के सिर पर किसी भारी वस्तु जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह पूरा मामला आरंग थाना क्षेत्र का है।



अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह हत्या का मामला है। घटना की सूचना मिलने के बाद, आरंग थाना प्रभारी सहित पुलिस की टीम मौके

पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को संदेह है कि यह रंजिश का मामला हो सकता है, लेकिन अभी तक हत्या के कारणों का

बर्फ पर फिसलने से कई श्रद्धालु घायल

ड्रिलबुरी परिक्रमा के दौरान दो श्रद्धालुओं की मौत हुई...

केलांग। पवित्र पर्वत ड्रिलबुरी की परिक्रमा के दौरान गुरुवार को दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई। इस धार्मिक यात्रा के दौरान बर्फ पर फिसलने, हाई एल्टीट्यूड सिकनेस और हाइपोथर्मिया की चपेट में आने से कई श्रद्धालु घायल भी हुए हैं। घायलों में कुछ बुजुर्ग और बच्चे भी शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल केलांग लाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल में ऊंचाई से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं और चोटों



के कारण श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। क्षेत्रीय अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुषमा ने बताया कि ड्रिलबुरी परिक्रमा के दौरान दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हुई है।

वारदात में एनएससीएन आईएम और जेयूएफके कैडेटों की कथित भूमिका का आरोप लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कुकी संगठनों ने पिछले 4 दिनों में 4 महिलाओं समेत 6 कुकी लोगों की हत्या का आरोप नगा समुदाय पर लगाया है। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फवरी से अब तक करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है। मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच 3 मई 2023 से हिंसा जारी है।

जगदलपुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ



700 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

बकावंड जनता के गोट/ खेल परिसर जगदलपुर में गुरुवार को 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का भव्य और रंगारंग शुभारंभ हुआ। प्रदेश के विभिन्न संभागों से पहुंचे करीब 700 खिलाड़ियों और कोचों की मौजूदगी से पूरा परिसर खेल भावना और जबरदस्त उत्साह से सराबोर नजर आया।

समारोह के मुख्य अतिथि सांसद श्री महेश कश्यप ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन करते हुए कहा कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये विद्यार्थियों के जीवन में



अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि राज्य

स्तरीय प्रतियोगिताएं युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और राष्ट्रीय फ्लक पर आगे

बढ़ने का बेहतरीन अवसर प्रदान करती हैं। सांसद ने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के

साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। विशिष्ट चित्रकोट विधायक श्री विनायक गोयल ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर और ग्रामीण वनांचल के बच्चों में नैसर्गिक खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस तरह के भव्य आयोजनों से दूरदराज के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच मिलता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से पूरे मनोबल, लगन और अनुशासन के साथ मैदान में उतरने का आह्वान किया।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के दौरान एथलेटिक्स, रग्बी और हॉडबॉल की विभिन्न स्पर्धाओं में कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

इनमें एथलेटिक्स स्पर्धाएं 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं के बीच आयोजित की जा रही हैं, जबकि रग्बी और हॉडबॉल की प्रतियोगिताओं में 17 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में खेल विभाग के सभापति श्री वनवासी मोर्य, स्टेट गाइड के जिला मुख्य आयुक्त श्री सुरेश गुप्ता, पार्षद श्रीमती पूनम सिन्हा, जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल, जिला मिशन समन्वयक अशोक पांडे सहित जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा एवं खेल विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बोड़ला में भीषण सड़क हादसा, ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

बैंक से पैसे निकालकर घर लौट रहा था 22 वर्षीय धनजय, सिद्धि विनायक ढाबे के सामने हुआ हादसा , इलाज के दौरान तोड़ा दम

कवर्धा/जनता के गोट। बोड़ला में सड़क पर दौड़ते तेज रफ्तार ट्रेलर ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। बैंक से पैसे निकालकर बाइक से घर लौट रहे 22 वर्षीय युवक को सिद्धि विनायक ढाबे के सामने ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

ढाबे के सामने हुआ दर्दनाक हादसा- जानकारी के अनुसार, बोड़ला थाना क्षेत्र के ग्राम सरंगपुर कला निवासी धनजय दिवाकर, पिता सुशील दिवाकर, बैंक से पैसे निकालने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सिद्धि विनायक ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद धनजय सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया।



ट्रेलर पुलिस के कब्जे में, जांच जारी घटना की सूचना मिलते ही बोड़ला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हादसे में शामिल ट्रेलर को

गंभीर हालत में जिला अस्पताल किया गया रेफर हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायल युवक को तत्काल बोड़ला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल कवर्धा रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान धनजय ने दम तोड़ दिया।

कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और ट्रेलर की रफ्तार कितनी थी, इसे लेकर पुलिस जानकारी जुटा रही है।

गांव में पसरा मातम 22 वर्षीय धनजय की मौत की खबर मिलते ही सरंगपुर कला में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के लोग सदमे में हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में धूमधाम से हुई विश्वकर्मा पूजा

चिकित्सकीय औजारों और मशीनों की विधिवत पूजा-अर्चना, मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

जगदलपुर जनता के गोट। भाठागांव स्थित उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल में विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर विश्वकर्मा पूजा श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं कर्मचारियों ने ऑपरेशन थिएटर में उपयोग किए जाने वाले चिकित्सकीय औजारों, मशीनों एवं विभिन्न उपकरणों की विधिवत पूजा-अर्चना की।

पूजा के दौरान अस्पताल के चिकित्सकों एवं स्टाफ ने भगवान विश्वकर्मा से प्रार्थना करते हुए ऑपरेशन की सफलता तथा मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। पूजा-अर्चना के दौरान अस्पताल परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सुजन, निर्माण एवं कोशल का देवता माना जाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में चिकित्सकीय उपकरण एवं तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्हीं उपकरणों के माध्यम से



चिकित्सक मरीजों का उपचार करते हैं, इसलिए विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर औजारों और मशीनों की पूजा-अर्चना कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया गया।

इस अवसर पर उर्मिला मेमोरियल हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद सिंह, डायरेक्टर नम्रता सिंह, एजीक्यूटिव डायरेक्टर जसपाल भामरा, सीओओ कृष्णा दुबे, विजीत सिंह, एचआर दीपजय, अकाउंटेंट दिलीप सिंह, नर्सिंग स्टाफसहित अस्पताल के समस्त कर्मचारी

उपस्थित रहे। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. विनोद सिंह ने सभी चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीक, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं और कुशल चिकित्सकीय सेवाओं के माध्यम से मरीजों को सर्वोत्तम उपचार उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे का बड़ा फैसला, रेल कोच रेस्टोरेंट 24x7



भूपेन्द्र सिंह राठौर, बिलासपुर/ जनता के गोट। उसलापुर रेलवे स्टेशन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। अब रात 10 बजे के बाद स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को खानपान के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। स्टेशन परिसर में संचालित रेल कोच रेस्टोरेंट ‘रॉयल किचन’ अब 24 घंटे और सातों दिन खुला रहेगा। रेलवे ने रेस्टोरेंट के राउंड द क्लॉक संचालन की अनुमति दे दी है। नई व्यवस्था 16 सितंबर से लागू हो गई है। अब देर रात उसलापुर पहुंचने वाले यात्री भी रेल कोच रेस्टोरेंट में भोजन और नाश्ता कर सकेंगे।

इतना ही नहीं, सफर के लिए खाना पैक भी करा सकेंगे। पहले रेस्टोरेंट सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही संचालित होता था। रात 10 बजे के बाद आने वाली ट्रेनों के यात्रियों को रेस्टोरेंट बंद मिलने से परेशानी होती थी। उसलापुर रेलवे स्टेशन पर रात 10 बजे के बाद 13 से ज्यादा ट्रेनें पहुंचती हैं। इनमें गोदिया-बरोनी एक्सप्रेस, बिलासपुर-भोपाल, दुर्ग-नौतनवा, बेतवा, सारनाथ, अमरकंटक, गरीब रथ, हमसफर और अन्य ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों से उतरने वाले यात्रियों को अब स्टेशन पर ही रात के समय खानपान की सुविधा मिल सकेगी।

रेल कोच रेस्टोरेंट को पुराने कंड़म रेल कोच को आकर्षक तरीके से तैयार कर बनाया गया है। यहां यात्रियों को रेल कोच के अंदर बैठकर भोजन करने का अलग अनुभव भी मिलता है। यात्रियों की बढ़ती संख्या और सुविधा को देखते हुए अब इसके संचालन का समय 24 घंटे कर दिया गया है। रेलवे के मृताबिक रेस्टोरेंट संचालक को अनुबंध में निर्धारित सभी नियम और शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। 24 घंटे संचालन शुरू होने से खासतौर पर देर रात आने-जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।



टूटी साइड रेलिंग भी बनी खतरा; ग्रामीणों ने तकनीकी जांच और जिम्मेदारी तय करने की उठाई मांग

जाहद अंसारी प्रतापपुर। सूरजपुर/जनता के गोट। जिले के प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत भैंसामुंडा पुल की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीणों की परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। पुल पर बड़े-बड़े गड्ढों और खराब सड़क को लेकर खबर प्रकाशित होने के बाद लोक निर्माण विभाग की ओर से गड्ढों में डस्ट

डालकर अस्थायी सुधार किया गया। लेकिन भारी वाहनों की आवाजाही के कारण यही डस्ट अब धूल के गुबार का कारण बन रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल से गुजरने वाले बड़े वाहनों के चलते आसपास का क्षेत्र धूल से भर जाता है। इससे दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। खाद्य सामग्री और मिठाइयों पर धूल जमने से भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। महीनों से टूटी रेलिंग, जिम्मेदारी तय करने की मांग- पुल की साइड रेलिंग भी कई महीनों से क्षतिग्रस्त बताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, रेलिंग टूटे होने के बावजूद अब तक उसका स्थायी सुधार नहीं किया गया है। इससे पुल पार करने वाले वाहनों के लिए दुर्घटना का जोखिम बना हुआ है। ग्रामीणों ने मांग की है कि लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित बिज निर्माण/रखरखाव एजेंसी के अधिकारी मौके का तत्काल निरीक्षण करें और पुल की स्थिति की वैज्ञानिक एवं तकनीकी जांच कराई जाए। साथ ही पुल की मजबूती का परीक्षण कर आवश्यकतानुसार गुणवत्तापूर्ण स्थायी मरम्मत कराई जाए। अस्थायी मरम्मत पर भी उठ

रहे सवाल- ग्रामीणों का कहना है कि महत्वपूर्ण पुल पर केवल गड्ढों में डस्ट डालना स्थायी समाधान नहीं है। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही को देखते हुए पुल की मरम्मत तकनीकी मानकों के अनुसार कराई जानी चाहिए। ग्रामीणों ने अस्थायी मरम्मत के बजाय स्थायी सुधार कराने, टूटी साइड रेलिंग तत्काल बनवाने और कार्य की गुणवत्ता की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। 24 घंटे भारी वाहनों की आवाजाही- अबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग होने के कारण इस मार्ग

पर दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे व्यस्त मार्ग पर पुल की जर्जर स्थिति को लेकर ग्रामीण किसी बड़ी अनहोनी की आशंका जता रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि किसी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय विभाग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। पुल की तकनीकी जांच, मजबूती का परीक्षण, क्षतिग्रस्त रेलिंग का निर्माण और स्थायी मरम्मत के साथ यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही भी तय की जानी चाहिए।

संपादकीय

बड़ा सवाल यह है कि आखिर दार्जीलिंग नेतारों पर पर्दा क्यों रखा जाता है? उम्मीदवार चुनने की वजह बताते से क्यों पार्टियाँ कतराती हैं? इस साल की शुरुआत में हुए पाँच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दार्जीलिंग पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सभी दल विफल रहे। इस साल की शुरुआत में हुए पाँच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दार्जीलिंग पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को

सावजनिक करने में सभी दल विफल रहे देश की राजनीति को आपराधिक छवि के नेताओं से मुक्त कराने के लिए दावे करने में कहीं कभी नहीं होती है। राजनीति की अपराधीकरण या संसद और विधानसभाओं में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के बदले दखल पर चिंता जाहिर करने के मामले में देश की सभी पार्टियाँ आगे रहती हैं। मगर जबकि गंभीर अपराधों के आरोपों का मुकदमे झेल रहे लोगों को उम्मीदवार न बनाने का सुकस आता

है, तब शायद ही किसी पार्टी को इस तकाजो जे हो। का खयाल रखना जरूरी लगता है। यहां तक बेवजह नहीं है कि पिछले कई दशकों का इरादो गलत था। चुनावी राजनीति में वैसे लोग भी आम होशों गए हैं, जिन पर छोटे-बड़े से लेकर जघन्य-यन्य बहानों तक में अपराधों तक में शामिल रहने का आरोप होता-तथा वह है। हैरानी की बात यह भी है कि जब कोई दार्गि पृष्ठभूमि का व्यक्ति चुन कर जनप्रतिनिधि बनना चाहता है, तो उसे टिकट देने वाली पार्टी यहन तक बताना भी जरूरी नहीं समझती कि उसके कर्तव्य

सामने ऐसी क्या मजबूरी या वजह थी कि जानते-बूझते हुए भी उसने अपराधाधिक छवि के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने लायक समझा। राजनीतिक दलों के इस रुख पर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में दागी पृष्ठभूमि के लोगों को उम्मीदवार बनाने के कारणों को सार्वजनिक करने में सफल दिवफार रहे। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रीफॉर्मस

(एडीआर) ने इक्यावन राजनीतिक दलों को और से दाखिल किए गए दस्तावेजों के आधार पर तैयार अपनी रिपोर्ट में बताया कि 1,405 उम्मीदवारों में से 191 के बारे में जरूरी जानकारी नहीं दी गई। जबकि नियमों के मुताबिक मतदाताओं को उम्मीदवारों की अपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में बताने के साथ-साथ यह भी बताना जरूरी है कि किसी राजनीतिक दल ने एक दागी को ही उम्मीदवार क्यों चुना और इसके लिए किसी बेदाग छवि

वाले व्यक्ति को क्यों नहीं चुना। जाहिर है, ऐसा करने पर पार्टियों के सामने एक नैतिक बाधा खड़ी हो जाएगी कि उन्हें राजनीति में अपराधीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। मगर लगभग सभी राजनीतिक दलों का इस तरह का रुख ही क्या इसके लिए जिम्मेदार नहीं है कि आज नागरिकों के सामने ईमानदार और बेदाग राजप्रतिनिधि चुनने के विकल्प सिमटते जा रहे हैं?

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर **दैनिक भास्कर** R और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल इंडिया स्टैक यानी यूपीआई, आधार और डिजीलॉकर जैसे स्वदेशी डिजिटल समाधानों को पेश किया है। आज जब विकसित देश भी डिजिटल भुगतान के महंगे और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत ने एक ऐसा लोकतांत्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इन तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने का जो प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्यों के लिए भारत का यह मॉडल वित्तीय समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कर्ज के अपने देशों में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु है जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि विकास के व्यावहारिक रास्तों का भरोसा दे रहा है।

**यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता
का रास्ता साफ ! यूएस, यूके, फ्रांस, रूस
के बाद चीन भी आ गया साथ**

(नीरज कुमार दबे)

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की नई दिल्ली घोषणा में चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। चीन का यह रुख खास तौर पर महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता की दवेदारी को अब वह बड़ा रणनीतिक समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है, जिस पर लंबे समय से पूरी दुनिया की नजर थी। नई दिल्ली में जिस शिखर सम्मेलन के दौरान, संयुक्त राष्ट्र महासचिव अन्तेनियो गुतेर्रेस को मौजूदगी में चीन और रूस ने भारत को संयुक्त राष्ट्र, विशेषकर सुरक्षा परिषद में बढ़ी भूमिका देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराकर भारत के दवे को नई ताकत दे दी है। इससे पहले ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका भी सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन हर बार यह मामला चीन की असहमति पर आकर अटक जाता था। अब पहली बार ऐसा संकेत मिल रहा है कि चीन का रुख भी बदल रहा है। रूस के साथ चीन का समर्थन मिलना केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि सुरक्षा परिषद की दशकों पुरानी शक्ति-संरचना के सामने एक बेहद महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश भी है।

इस घटनाक्रम को तमाम अंतरराष्ट्रीय विरुद्धले भारत के लिए बड़ी जीत बता रहे हैं। अमेरिकी अर्थशास्त्री और कोलंबिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री सैक्स ने तो यहां तक कहा है कि भारत के अलावा कोई दूसरा देश संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के छठे स्थायी सदस्य बनने का इतना मजबूत दावा नहीं रखता। सैक्स ने भारत की करीब डेढ़ अरब की आबादी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, वैश्विक प्रभाव और कूटनीतिक क्षमता को इसका सबसे बड़ा तोक-तक बताया। उनका कहना है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, क्रय शक्ति के आधार पर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्था है और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में लगातार अपनी प्रभावशाली भूमिका साबित कर रहा है।

हम आपको यह भी बता दें कि ब्रिक्स
शिखर सम्मेलन की दृष्टि दिल्ली घोषणा में
चीन और रूस ने स्पष्ट रूप से भारत और
ब्राजील की संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद
में बड़ी भूमिका निभाने की आकांक्षा
प्रति अपना समर्थन देहराय है। चीन का
यह रुख खयाल तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि
वह लंबे समय से भारत की स्थायी
सदस्यता की मांग का खुलकर समर्थन
करने से बचना रहा है। सुरक्षा परिषद में
स्थायी सदस्यता रखने वाला चीन यदि
भारत के दावे के समर्थन में खड़ा होता है,

तो यह भारत के लिए बड़ी राहत की बात है

उल्लेखनीय है कि सुरक्षा परिषद पर फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका। इनके पास वीटो पावर है, जिसके जरिये इनमें से कोई भी देश किसी महत्वपूर्ण प्रस्ताव को ठीक कर सकता है। इसके अलावा दूसरे अस्थायी सदस्य होते हैं, जिनका कार्यकाल दो वर्ष का होता है। इसके अलावा निर्विवाद देखिए कि 1945 में जब वैश्विक शक्ति-संतुलन को ध्यान में रखकर यह व्यवस्था बनाई गई थी, वही ढांचा आज भी लगभग उसी रूप में कायम है। जबकि दुनिया की आबादी, अर्थव्यवस्था, शक्ति-संतुलन और राजनीतिक वास्तविकता बदल गई, लेकिन सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढांचा नहीं बदला।

यही वह बिंदु है जहाँ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की जरूरत सबसे ज्यादा दिख्य है। तैरती है जिस संस्था का मूल उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा कायम करना है, वह संस्था जब दुनिया के बड़े हिस्से को पारित प्रक्रिया से पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दे पाती तो उसकी वैधता पर सवाल उठने स्वाभाविक है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की विशाल आबादी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का ढाँचा बेहद असंतुलित है। देशा जाये तो सुरक्षा के संकटों का असर जिन देशों और समूहों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, निर्णय लेने की मेज पर उनकी आवाज उतनी कमजोर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस
असमानता को रेखांकित करते हुए वैश्विक
निर्णय व्यवस्था को विशेषाधिकारों
पिरामिड जैसी संरचना बताया है। उन्होंने
कहा कि ऊपर बैठे शक्तिशाली देश निर्णय
लेते हैं और नीचे मौजूद देशों को उन
निर्णयों के परिणाम भुगतने पड़ते हैं। उन्होंने
इस विशेषाधिकार को पिरामिड का
साझेदारी के मंच में बदलने का आह्वा
न किया है। उनका यह संदेश केवल ब्रिक्
समूह सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्व
तक सीमा के सामने एक सीधी चुनौती है
सरकारी एजेंसियों को

प्रधानमंत्री मोदी और संयुक्त का
महासम्मेलन अंतोनियो गुतेर्रेस का
मुलाकात में भी बहुसंख्यीय विध्वंस
और बहुपक्षीय संस्थाओं, विशेषकर सुरक्षा
परिषद में सुधार की आवश्यकता पर जोर
दिया गया। दोनों नेताओं ने संघर्षों, समुद्र
मार्गों की स्वतंत्रता, सतत विकास, मानव
केंद्रित कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवीकरणीय
ऊर्जा और वैश्विक खाद्य सुरक्षा जैसे मुद्दों
पर चर्चा की। यह अपने आप में संकेत
है कि आज की वैश्विक समस्याएं इतनी
व्यापक हो चुकी हैं कि उन्हें पुराने शक्ति
संरचनाओं और सीमित प्रतिनिधित्व वाले
संस्थाओं के सहारे नहीं संभाला जा
सकता।

वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आर्थिक संबल बनता भारत-ब्रिक्स में नई दिल्ली की कूटनीतिक धमक

(अशोक भाटिया)

भारत की आर्थिक ताकत का लोहा मानने के पीछे देश का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक बड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल 'इंडिया स्ट्रेक' यानी यूपीआई, आधार और डिजिटल क्रांति जैसे स्वदेशी समाधानों को पेश किया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक ऐसे दौराहट पर खड़ी है जहां अनिश्चितता, भू-राजनीतिक तनाव और मंदी की आशंकाओं ने विकसित देशों की एक्टर को भीमा कर दिया है। ऐसे संदर्भपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दुनिया के लिए एक नई उम्मीद बनकर उभरा है। इस सम्मेलन का सबसे बड़ा और स्पष्ट संदेश यह है कि जब पूरी दुनिया युद्धों के साथ और आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, तब भारत वैश्विक मंच पर आर्थिक विकास (ग्रोथ) का सबसे मजबूत और भरोसेमंद चेहरा बनकर सामने आ रहा है। ब्रिक्स के मंच पर भारत की इस आर्थिक क्षमता और कूटनीतिक कौशल ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली अब केवल वैश्विक विमर्श का हिस्सा नहीं है, बल्कि वह वैश्विक एजेंडा तय करने वाली महाशक्ति बन चुकी है। 'भारत का डंका' बजने का यह स्वर केवल राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि ठोस आर्थिक आंकड़ों, सुधारों और आर्थिक परिपक्वता की बुनियाद पर टिका हुआ है।

इस शिखर सम्मेलन में भारत की केंद्रीय भूमिका को समझने के लिए अपने पहले उस वैश्विक पुष्पभूमि को देखना होगा जिसे हमें इसका अयोजन जगह रहा है। एक तरफ जहाँ यूरोप और अमेरिका जैसे पारंपरिक आर्थिक पावरहाउस उस मुद्रास्फीजन की कर्ज के संकट और अदरूनी राजनीतिक अस्थिरता से कमजोर हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को छिन्न-भिन्न कर दिया है। इस चौराहा संकट के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएँ लगातार भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती मुद्रा अर्थव्यवस्था मान रही हैं। जब ब्रिक्स के पुराने और नए सदस्य देश नई दिल्ली में एकत्रित हुए, तो उनके सामने एक ऐसा भारत था जिसने न केवल महामारी और युद्ध के झटकों को सफलतापूर्वक झेला है, बल्कि अपनी विकास दर को 7 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखी है। यही कारण है कि इस सम्मेलन में भारत द्वारा दिए गए ग्रोथ के भरोसे को दुनिया ने हाथों-हाथ लिया है। भारत की इस सफलता का सबसे मजबूत स्तंभ उसकी रिबनिकल स्थिति स्वायत्तता और संतुलित ऊपरी नीति है। ब्रिक्स समूह का इस समय अभूतपूर्व विस्तार हो



नुका है, जिसमें अब ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मित्र जैसे देश शामिल हैं। ब्रिटेन देशों के आने से बिस्व की आर्थिक ताकत तो बढ़ गई है, लेकिन इनके साथ ही समूह के भीतर भू-राजनैतिक जटिलताएं और आपसी मतभेद बढ़ते हुए हैं। मिसाल के तौर पर, ईरान और खाई देशों के बीच के ऐतिहासिक तनाव या फिर अमेरिका के साथ उनके समीकरणों को संभालना बेहद नानुजुब काम है। इसके अलावा, चीन की इस ताकत को एक पश्चिम-विरोधी बल बनाने व महत्वकांक्षी भी किसी से छिपी नहीं है। ऐसे जटिल माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत बिस्व की पश्चिम-विरोधी बनने से रोककर उभर-गैर-पश्चिम संघ के रूप में बनाए रखने में सफल पाई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि बिस्व का उद्देश किसी देश या बल के खिलाफ मोर्चा खोलना नहीं, बल्कि वैश्विक चर्दीण की आवाज को बुलंद करना और एक न्यायसंगत वैश्विक व्यवस्था व निर्माण करना है।

भारत की आर्थिक ताकत का इलाहा मानने से पीछे देश का डिजिटल पब्लिक कॉन्फिडेंसस्ट्रक्चर और तकनीकी क्रांति एक खड़ा कारण है। भारत ने ब्रिक्स देशों के सामने अपने सफल डिडिया स्टैक या यूपीआई, आधार और डिजिलॉकर जैसे स्वदेशी विकास सामग्रियों को पेश किया है। आज जल विकसित देश भी डिजिटल भूतान के मछी और एकाधिकारवादी मॉडलों पर निर्भर हैं, तब भारत एक ऐसा लोकतान्त्रिक और समावेशी वित्तीय ढांचा खड़ा किया है जिसने करोड़ों लोगों को बैंक प्रणाली से जोड़ा है। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत ने इस तकनीकों को अन्य विकासशील देशों के साथ साझा करने की पूरी प्रस्ताव रखा है, वह इन देशों में डिजिटल गैम-चेंजर साबित हो सकता है। अफ्रीका में लैटिन अमेरिका के नए व आकांक्षी ब्रिक्स सदस्य देशों के लिए भारत का यह मॉडल विनीता समावेशन का एक ऐसा ब्लूप्रिंट है, जिसे वे बिना किसी भारी कंधे के अपने देश में लागू कर सकते हैं। यही वह बिंदु जहां भारत दुनिया को केवल पूंजी का नहीं, बल्कि

विकास के व्यावहारिक रस्तेों का भरोसा दे रहा है। इसके साथ ही, विनिर्माण और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को खराबों में निवेशकों के भीतर एक नया विश्वास पैदा किया है। मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसिंटिव जैसी योजनाओं के माध्यम से भारत अब दुनिया का केंद्रीयक विनिर्माण हब बन चुका है। चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश में जुटी वैश्विक कंपनियों भारत को प्सन वन रणनीति के तहत सबसे सुरक्षित और व्यवहार्य विकल्प के रूप में देख रही है। बिक्स देशों के बीच व्यापारिक चर्चाओं में भारत ने खुद को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के एक मजबूत और अटूट लिंक के रूप में स्थापित किया है। चाहे वह सेमीकंडक्टर का क्षेत्र हो, मोबाइल विनिर्माण हो या फिर फार्मास्यूटिकल्स—भारत की क्षमताएँ अब वैश्विक स्तर पर प्रमाणित हो चुकी हैं। हरित ऊर्जा के मोर्चे पर भी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और जैव इंधन गठबंधन जैसी पहलों के जरिए भारत ने यह दिखाया है कि वह आर्थिक विकास के साथ-साथ सार्वपर्यवरण संरक्षण के प्रति भी उत्तना ही गंभीर है।

शिखर सम्मेलन का एक और अलंप्त महत्त्वपूर्ण पहलू ब्रिक्स के भीतर डी-डॉलरराइजेशन यानी अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की चर्चा है। इस मोर्चे पर भारत की नीति अत्यंत व्यावहारिक और दूरदर्शी रही है। जहाँ कुछ सदस्य देश पूरी तरह से डॉलर को उखाड़ फेंकने की आक्रामक और जल्दबाजी भरी वकालत कर रहे हैं, वहीं भारत ने रुपी-ट्रेड के अपने सफल प्रयोगों को सामने रखकर एक मध्यम मार्ग दिखाया है। भारत ने रूस, यूएई और कई अन्य देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार की शुरुआत करके यह साबित किया है कि बिना किसी वैश्विक वित्तीय उथल-पुथल के भी अपनी मुद्रा को मजबूत किया जा सकता है। ब्रिक्स के मंच पर भारतीय रुपये की स्वीकार्यता बढ़ाने की इस कोशिश को व्यापक सम्मेलन मिला है, जो आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत के प्रभुत्व को और बढ़ाएगा। भारत के इस आर्थिक उभार ने

चीन की उस रणनीति को भी तगड़ा झटका दिया। इसीके तहत वह ब्रिक्स को अपनी बेल्ड एंड रोस्-जिनसिएव्ट व जैसी विस्तारवादी योजनाओं के बिना विकास का जरिया बनाना चाहता था। भारत ने हमेशा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने वाले पारदर्शी बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया है। इस समेलन में भी भारत ने यह सुनिश्चित किया कि ब्रिक्स का एजेंडा किसी एक देश की विस्तारवादी सोच से संचालित न हो। सामूहिक विकास पर केंद्रित रहे। यही कारण है कि ब्रिक्स दक्षिण के देश अब चीन के कर्ज जाल से उठकर भारत को एक अधिक विश्वसनीय और लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में देख रहे हैं। भारत की वसुधैव कुटुम्बक नीतिको भी भवाना ब्रिक्स वे समाप्तिद्धातों में साफ झलकती है, जो इसे केवल एक आर्थिक मंच से ऊपर उठाकर एक मानवीय और व्यापकसंसाधनों संग्रहित बनाती है। हालाँकि, इस स्मरणदाता बीच चुनौतियाँ कम नहीं हैं। ब्रिक्स वे स्मरणदाता अंतरिक अंतर्विरोध हमेशा से इसकी सबसे बड़ी कमियों रहे हैं। भारत और चीन के बीच कभी न समाप्त होने वाली प्रतिस्पर्धा के कारण इराण की पैनी औद्योगिक प्रविर्बंधों का साथ और दूसरी ओर बागीदा के कारण इस समूह पर अहिंदू देशों की पैनी औद्योगिक प्रतिस्पर्धा नजर बनी हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद, भारत ने अपनी कुटीनीतिक चतुरता से इस अंतरिक्षों को अपने विकास एजेंडे पर हावी न होने दिया। नई दिल्ली ने यह स्पष्ट कर दिया है कि द्वितीयश्रीयो मतभेद अपनी जगह है, लेकिन ब्रिक्स मंचों पर आर्थिक सहयोग और वैश्विक विकास प्राथमिकताओं को रोकने नहीं जा सकता। 18 ब्रिक्स शिखर समेलन का समापन भारत के एक बड़ी कुटीनीतिक और आर्थिक विजय के रूप में देखा जाना चाहिए। भारत ने न केवल एक सफल और निर्बाध समेलन की मेजबानी है, बल्कि दुनिया को मंदी के दौर से बाहर निकलने का नया विजन भी दिया है। भारत की विशाल घरेलू मांग, युवा जनसांख्यिकी, राजनीतिक स्थिरता और निरंतर होने वाले आर्थिक सुधारों ने इसे वैश्विक विकास का एक ऐसा इंजन बना दिया है जिसे कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता। भारत का डंडा बज्जा सीधा अर्थ यह है कि अब वैश्विक अव्यवस्था से जुड़े फैसले नई दिल्ली की सहमति के बिना नहीं लिए जा सकते। भारत ने इस ब्रिक्स समेलन में माध्यम से दुनिया को जो ग्रेष्ठ का भरपाया दिया है वह आज के मुल्लिशकों में एक विकसित भारत और एक अधिक संतुलित, बहुधनीय विश्व व्यवस्था के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

भारत की सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ोतरी

(प्रह्लाद सबनानी)

विश्व की क्रेडिट रेटिंग एजेंसीयों द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की क्रेडिट रेटिंग निर्धारित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियों द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर ब्याज की दर इस क्रेडिट रेटिंग के आधार पर निर्धारित होती है।

जापान क्रॉइड रेटिंग एजेंसी (जेसीआरए) ने भारत की सर्वोर्ध्वनी (स्वरण) क्रॉइड रेटिंग में सुधार करते हुए सर्वोर्ध्वनी को सावधान से बढ़ाकर यूए- कर दिया है। भारत की सर्वोर्ध्वनी क्रॉइड रेटिंग में बढ़ोतरी कई कारणों के चलते की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार विकास के पथ पर तेजी से दौड़ रही है और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर बनी हुई है। भारत आज पूर्ण विश्व में समस्त बड़े देशों की बीच प्रमुख तेज गति से बढ़ते-बढ़ते वाली अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था की आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करता हुआ दिखाई दे रहा है। दूसरा, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अर्थ है, इस देश में नागरिकों को अपने अधिकारों का रक्षा रखने की आजादी है और विश्व के अन्य देश भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। अगली बात ही में अन्य देशों में निवासरत भारतीयों के मूल नागरिकों ने भारत में 13,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारतीय बैंकों में जमा की है। यह भारत की शक्ति एवं मजबूती को दर्शाता है। तीसरा, भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रम लगातार चल रहे हैं। हाल ही में, एकवस्तु एवं सेवा कर की रां में कमी की गई थी जिसके चलते भारतीय नागरिकों की जेब में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि पहुंची है, इससे भारतीय नागरिकों की खर्च करने की प्रवृत्ति में वृद्धि हुई है। चौथा, भारत में डिजिटल आधारभूत संरचना को मजबूती प्रदान की गई है। भारतीय यूआईआई की मजग अवधि के अन्य देशों द्वारा भी भारतीय की जारी है। जगण योजना के अंतर्गत देश के करोड़ों नागरिकों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिन्हें आधार से जोड़



दिवा गया है और स्मार्ट मोबाइल आज जैसे जेब में बैंक का कार्ड करता हुआ दिखाव दे रहा है। डिजिटल बेनिफिट ट्रान्सफर योजना को भी बहुत सरल बना दिया गया है। इससे देश में भ्रष्टाचार में कमी आई है। पांचवां, भारतीय में हाल ही के समय में वित्तीय क्षेत्र में मजबूती आई है। मार्च 2026 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में भारतीय बैंकों में सकल गैर निष्पादन कार्यों का अतिरिक्त 1.8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। हद अपने आप में एक रिकार्ड है। छठा, भारतीय खर्चों के उपयोग में अब सुधार दृष्टिगोचर है और इसकी गुणवत्ता भी सुधरी है। केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय के पड़के 5 वर्षों में तीन गुना बढ़ गई है। इससे भारत में रेल, रोड एवं पोर्ट की आधारभूत संरचना विकसित हुई है, जो विदेशी निवेशकों को भी भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित कर रही है। सातवां, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार 68,400 करोड़ डॉलर, अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गए हैं, जो विकास के लिए बहुत अच्छा सुरक्षा कवच बन गया है। आठवां, भारत का वित्तीय घाटा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 9.2 प्रतिशत था, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.6 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। भारतीय

अर्थव्यवस्था में उक्त 8 मानकों पर हुए सुधार के चलते जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत के सार्वभौम क्रेडिट रेटिंग में बढ़ौतरी की है।

लिथु की फ्रैंचटाइज एजेंसीयां द्वारा विभिन्न देशों की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति के आधार पर इन देशों की फ्रैंचटाइजिंग निष्कर्षित की जाती है। इन देशों द्वारा अथवा इन देशों के बैंकों द्वारा एवं इन देशों की कम्पनियां द्वारा वैश्विक बाजार से उधार ली जाने वाली राशि पर व्याज की दर इस फ्रैंचटाइजिंग के आधार पर निर्धारित होती है। यदि फ्रैंचटाइजिंग रेटिंग उच्च स्तर की रहती है तो उस देश द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में ली जाने वाली स्क्रास राशि पर व्याज की दर कम निर्धारित होती है। दूसरे, इसका उस देश में वित्तिय निवेश आकर्षित होता है, क्योंकि इन देशों में किया गया विदेशी निवेश सुरक्षित माना जाता है। विभिन्न फ्रैंचटाइजिंग एजेंसी द्वारा निम्न प्रकार की फ्रैंचटाइजिंग प्रदान की जाती है। एएफ-यह प्राइम फ्रैंचटाइजिंग मानी जाती है एवं यह देश निवेशकों को दुर्ल से स्वेकस्ट्रेम ग्रेड का है। एए-फ्रैंचटाइजिंग भी हाई ग्रेड की मानी जाती है। एए-फ्रैंचटाइजिंग अपर मीडियम ग्रेड की मानी जाती है। बीबीबी-फ्रैंचटाइजिंग लोअर मीडियम ग्रेड

को दर्शाती है। बीबी - क्रेडिट रेटिंग नोन-इन्वेस्टमेंट ग्रेड एवं स्पेक्युलेटिव की श्रेणी में गिनी जाती है। बी- क्रेडिट रेटिंग हाइली स्पेक्युलेटिव श्रेणी में आती है एवं सी- क्रेडिट रेटिंग अधिकतम रिस्क की श्रेणी में गिनी जाती है। भारत की क्रेडिट रेटिंग बीबीबी+ ग्रेड में मानी जा रही थी जो अब सुधारकर ए-कर दिया गया है।

पश्चिमी देशों की क्रैडिट रेटिंग एजन्सीयों ने भारत की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग में इससे दौन वर्ष बढ़लाव ही नहीं किया है जबकि भारत ने इससे दौन वर्षा वषिषा रूप से आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में अतुलनीय सुधार करते हुये विकास दर को बढ़ाया में सफलता प्राप्त की है। फिच नामक क्रैडिट रेटिंग एजन्सी ने भारत की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग को अगस्त 2006 के बाद से परिवर्तित ही नहीं किया है, जो बीबीबी के स्तर पर लगातार बनी हुई है। इसी प्रकार, स्टैंडर्ड एंड पूअर नामक क्रैडिट रेटिंग एजन्सी द्वारा 18 वर्ष पछाड भारत की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग को 27 अगस्त 2026 को अपग्रेड करते हुए इसे बीबीबी के स्तर पर ले आया गया है। एक अन्य क्रैडिट रेटिंग एजन्सी मूडी ने जून 2020 के पछाड भारत की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग में कई परिवर्तन नहीं किया है और भारत को बीएए 3 की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग दी हुई है। उक्त प्रतीकयों ने भारत की सर्वप्रथम क्रैडिट रेटिंग को संकेत करते हैं नहीं दर्शाती हैं। जबकि, भारत के आर्थिक उर्चकते बहुत मजबूत बने हुए हैं।

हाल ही में, विश्व के चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों ने भारत के आर्थिक विकास के संदर्भ में विशेष रिपोर्ट जारी की है। जिसमें भारत की आर्थिक प्रगति की सराहना की गई है। जेफ्रो ज नामक वित्तीय संस्थान की रिपोर्ट कहती है कि मोबाइल फोन, स्ट्रीट, सीमेंट, सोलर पैनल एवं ट्रक के निर्माण के क्षेत्र में आज दुनिया में दूसरे स्थान पर आ गया है। वर्ष 2014 में स्पेस के क्षेत्र में भारत में केवल एक स्टार्टअप था आज भारत में इस क्षेत्र में 400 से अधिक स्टार्टअप कार्य कर रहे हैं। चिनियाँ न्याय में 12 प्रोजेक्ट पर भारत में काम हो रहा है एवं 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश इस क्षेत्र में हो रहा है।

खबर-खास

खारुन तट पर ‘आशीर्वाद का दिया’ और भव्य महाआरती: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, साध्वी प्रज्ञा और गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में जगमगाया महादेव घाट



तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। नगर पालिका निगम रायपुर द्वारा खारुन नदी के पावन तट, महादेव घाट पर आशीर्वाद का दिया — जनसेवा से देशसेवा एवं भव्य महाआरती कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अलौकिक एवं भव्य आध्यात्मिक संस्था में राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, पूजनीय *साध्वी प्रज्ञा जी, श्रीमती कौशल्या साय , और छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू विशेष रूप से उपस्थित रहें। वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं अन्य मुख्य अतिथियों ने भगवान हाटकेश्वर महादेव और मां खारुन की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात भक्ति भाव से आशीर्वाद का दिया’ प्रज्वलित कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनसेवा के संकल्प के साथ भव्य महाआरती संपन्न की गई। खबर के मुख्य आकर्षण:

* दिग्गजों की गरिमामयी उपस्थिति: इस भव्य आयोजन में रायपुर महापौर श्रीमती मीनल चौबे, विभिन्न क्षेत्रों के विधायकगण, निगम-आयोग एवं मंडलों के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष तथा शासन-प्रशासन के वरिष्ठ पदाधिकारी प्रमुख रूप से शामिल हुए। * जनसेवा से देशसेवा का संदेश : आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक जनसेवा की भावना पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश प्रसारित किया गया। * अलौकिक नजारा और दीपदान: हजारों दीपों की रोशनी से खारुन नदी का तट जगमगा उठा, जिससे महादेव घाट का नजारा बनारस के घाटों जैसा विहंगम और मनोरम नजर आने लगा। नगर पालिका निगम रायपुर द्वारा आयोजित इस महाआरती में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने इस दिव्य संस्था का आनंद लिया और दीपदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

शासकीय प्राथमिक शाला डीधारी में ‘आशीर्वाद का दिया’ जलाकर मनाया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन: बच्चों और जनप्रतिनिधियों ने प्रज्वलित किए दीप

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ। जामगांव आर / डीधारी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला डीधारी में ‘ आशीर्वाद का दिया ’ कार्यक्रम का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) जामगांव आर मंडल के अध्यक्ष लुभम बंधोर, ग्राम पंचायत औसर डीधारी की सरपंच प्रियलता महिपाल और विद्यालय के प्रधान पाठक डोमन वर्मा की विशेष उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की मंगलकामना की गई।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्टहार //

रा0प्र0क्रमांक/ / अ-6/2025-2026 रायपुर, दिनांक 9/09/2026

ग्राम-गोगांव, प.ह. नं. – 50, तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता आवेदिका किरण कुर्गे पिता- श्री रमेश टंडन पता- सतनामीपारा, बेहार रसनी, तहसील- आरा जिला रायपुर छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है आवेदिका ने विक्रेता ADITYA BIRLA HOUSING FINANCE LTD Registered Office at Indian Rayon Compound Verval Gujrat-362266 (PAN: AABCL6440R) द्वारा प्राधिकृत अधिकारी श्री दिनेश्वर प्रसाद निषाद, पिता- श्री होरालाल निषाद, पता-प्रथम तल 206, बोरियाखुर्द, आर. डी. ए. बिल्डिंग, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से मूल भूमिस्वामी श्री ललित कुमार साहू पिता श्री हृदय राम साहू, निवासी- मेन रोड, गोगांव रायपुर छ. ग. को स्वामित्व व आधिपत्य की ADITYA BIRLA HOUSING FINANCE LTD में बंधक रखी गई परिवर्तित भूमि जो कि वाके मौजा गोगांव, प.ह.न. – 50, बार्ड कां.-03, संत कबीर दास बार्ड, रा.नि.म. – रायपुर – 1, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है। जिसका खसरा नंबर-320 / 6, रकबा 0.0060हे. अर्थात 647 वर्गफुट भूमि है जिस पर मकान निर्मित है को पंजीकृत विक्रय प्रमाण पत्र दिनांक – 13/05/2026 को निलामी प्रक्रिया के माध्यम से कय कर कब्जा प्राप्त की है एवं उपरोक्त वर्णित भूमि पर शांतिपूर्वक दाखिल व काबिज है। आवेदिका द्वारा निलामी प्रक्रिया में कय की गई उक्त उपरोक्त भूमि का पंजीयन, उप-पंजीयक कार्यालय रायपुर मे दिनांक- 13/05/2026 को पंजीकृत किया गया है जिसे उप पंजीयक कार्यालय रायपुर छ.ग. में पुं.क.-1 ग्रंथ क्रमांक- 76947, पृष्ठ क्रमांक-45 से 68 विलेख क्रमांक- सी. जी. -2026-27-108-1-693देकर पंजीकृत किया गया है। उपरोक्त वर्णित संपत्ति को भू-स्वामी श्री ललित कुमार साहू पिता श्री हृदय राम साहू, निवासी- मेन रोड, गोगांव रायपुर छ.ग. ने विक्रेता वित्तीय संस्थान – ADITYA BIRLA HOUSING FINANCE LTD Registered Office at Indian Rayon Compound Verval Gujrat-362266 के पक्ष में बंधक रखकर, ऋण प्राप्त किए थे। ऋण प्राप्तकर्ता / बंधककर्तागण के द्वारा विक्रेता संस्थान को ऋण राशि के भुगतान नहीं किये जाने के कारण विक्रेता बैंक / वित्तीय संस्थान के द्वारा ऋण प्राप्तकर्ता/बंधककर्ता को डिफ़ॉल्टर घोषित कर उपरोक्त संपत्ति को विधिवत अपने कब्जे में प्राप्त कर सार्वजनिक निलामी सरफेसी एक्ट 2002 के तहत लिखित गया है जिसमे उपरोक्त वर्णित संपत्ति को सार्वजनिक निलामी में राशि 15,25,780/- रुपये में इस आवेदिका / केता ने कय किया है जिसका सेल सर्टिफिकेट दिनांक-09/03/2026 जारी किया गया है, जो इस आवेदन के साथ संलग्न है। अतः उक्त संपत्ति को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 18/9/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 18/09/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 9/09/202 '2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार, रायपुर छ.नं.ग.)

सेवा संकल्प अभियान ग्राम बड़े अलनार में रोपे गए 300 पौधे

जनप्रतिनिधियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बकावंड जनता के गोठ 17 सितंबर 2026/ सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को बस्तर विकासखंड के ग्राम बड़े अलनार में एक वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अंचलों में हरियाली के विस्तार के उद्देश्य से कुल 300 फ्लदार एवं छायादार पौधे रोपे गए। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम में



जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद अध्यक्ष श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दीवान, जनपद सदस्य श्री गौरव कश्यप, जनपद पंचायत सदस्य श्री रायधर दीवान



तथा स्थानीय सरपंच श्रीमती मंगली बाई, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्वेता वर्मा उपस्थित रहें। पौधरोपण के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने सभी 300 पौधों के उचित संरक्षण, नियमित सिंचाई और सुरक्षा का एक स्वर में संकल्प लिया।

के संतुलन को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी निरंतर देखभाल कर उन्हें वृक्ष का रूप देना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में हरियाली और जन-जागरूकता का सकारात्मक संदेश पहुंच रहा है। इस अवसर पर उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने लगाए गए सभी 300 पौधों के उचित संरक्षण, नियमित सिंचाई और सुरक्षा का एक स्वर में संकल्प लिया।

ढाबा बंद कराने का दबाव : घर में घुसकर जान से मारने की धमकी के साथ तोड़फोड़ व मारपीट का आरोप

अंचल वर्मा – दुर्ग, उत्तई। जनता के गोठ। पुलगांव थाना क्षेत्र की अंजोरा चौकी अंतर्गत काली मंदिर के पास ढाबा बंद कराने को लेकर विवाद में घर में घुसकर तोड़फोड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त डंडे और मोबाइल फोन बरामद कर जब्त किए हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक 14 सितंबर की रात ढाबा बंद करने को लेकर आरोपियों ने ढाबा संचालक को लगातार फोन कर धमकाया। इसके बाद आरोपी एकजुट होकर पीड़ित के किराए के मकान में जब्त घुस गए। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए घर के बाहर रखे सामान और लाइटिंग आदि में तोड़फोड़ की तथा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस और चौकी अंजोरा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। मुखबिर एवं पीड़ित से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 0808/2026 दर्ज कर बीएनएस की धारा 191(2),



331(6), 296, 351(3) और 324(4) के तहत कार्रवाई की है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। ये आरोपी गिरफ्तार गिरफ्तार आरोपियों में सनी उर्फ चेतन खन्ना (33), धर्मपाल खन्ना उर्फ गोल्डी (29), चंद्रप्रकाश खन्ना उर्फ मनी (31) तीनों निवासी पुलगांव शामिल हैं। इनके अलावा गणेश साहू (22), निवासी टाटीबंध रायपुर तथा निरें सुबह (26), निवासी जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल, हाल मुकाम खन्ना ढाबा, जोड़ा को भी गिरफ्तार किया गया है।

सेवा संकल्प अभियान : चिरायु के प्रयास से सिद्धांत के जीवन में लौटी रोशनी



बकावंड जनता के गोठ सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिन बस्तर में सेवा और संवेदना की एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसमें एक नई बच्चे के जीवन में इलाज के बाद लौटी रोशनी ने अभियान के संदेश को सार्थक रूप में सामने रखा। जगदलपुर मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित, ग्राम के एक निवासी 4 वर्षीय सिद्धांत बघेल, पिता भूपक बघेल, जन्म से ही दृष्टिबाधित था। उसे जन्मजात मोतियाबिंद की समस्या थी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिरायु टीम के मेडिकल ऑफिसर डॉ. रमाशंकर चतुर्वेदी, बच्चे को बेहतर उपचार के लिए अपने पास रायपुर लेकर गए, जहाँ उपचार के बाद अब सिद्धांत सामान्य रूप से देख पा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के

प्रथम दिन 17 सितंबर को डॉ. चतुर्वेदी सिद्धांत के घर पहुंचे और बच्चे से मुलाकात कर उसके स्वास्थ्य एवं दृष्टि की स्थिति की जानकारी ली। इस दौरान बच्चे की माता दयमती बघेल ने बताया कि उपचार के बाद अब उनका बेटा देख पा रहा है। बच्चे को सामान्य रूप से देखकर परिवार के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया। इस पूरे प्रसंग को सेवा संकल्प अभियान के ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम की भावना से भी जोड़ा जा रहा है। जिस दीये का अर्थ अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ना है, उसी तरह सिद्धांत के जीवन में उपचार को बेहतर उपचार के लिए अपने पास रायपुर लेकर गए, जहाँ उपचार के बाद अब सिद्धांत सामान्य रूप से देख पा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के

आँखों में लौटी रोशनी सेवा और संवेदना की सार्थकता को दर्शाती है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित चिरायु व्यवस्था में बच्चों में जन्मजात एवं अन्य स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर आवश्यकता के अनुसार उन्हें उच्च स्तरीय उपचार के लिए रेफर किया जाता है। छत्तीसगढ़ में चिरायु कार्यक्रम के माध्यम से जन्मजात मोतियाबिंद सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं वाले बच्चों को उपचार के लिए रेफर किए जाने के उदाहरण दर्ज हैं। सिद्धांत की कहानी यह संदेश देती है कि सेवा केवल किसी एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि किसी के जीवन में अंधकार से प्रकाश की ओर बदलाव लाने का संकल्प भी हो सकती है।

बकावंड मंडल में धूमधाम से मनाया गया सेवा संकल्प अभियान, जलाया गया ‘आशीर्वाद का दीया’



भुजबल बघेल बकावंड, जनता के गोठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे राष्ट्रवापी ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत बकावंड मंडल में ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दीर्घायु होने की कामना की और सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। कार्यक्रम बकावंड मंडल अध्यक्ष पीताम्बर कश्यप के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इसमें पूर्व जनपद एवं मंडल अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप, मंडल महामंत्री अनिल बिसाई एवं जोगेंद्र चंद्राकर, वरिष्ठ कार्यकर्ता मोहन जोशी, भाजयुमो महामंत्री संतोष कश्यप एवं उमेश चंद्राकर, मंडल कोषाध्यक्ष जगन्नाथ, बुदराय बघेल, जिला मंत्री सह कोषाध्यक्ष किरण उर्दके, महिला मंडल अध्यक्ष

गीता हरिमी, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष कुंजनी कश्यप एवं महिला मोर्चा महामंत्री पुष्पा बघेल सहित भाजपा बकावंड मंडल के कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य वक्ता पूर्व जनपद एवं मंडल अध्यक्ष धनुर्जय कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, त्याग और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंत्योदय के मंत्र के साथ विकास योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि बकावंड के कार्यकर्ताओं ने एक दीया जलाकर प्रधानमंत्री के दीर्घायु होने की कामना की और सेवा कार्यों के माध्यम से विकसित भारत 2047के संकल्प में सहभागी बनाने का निर्णय लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न सेवा कार्यों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का संकल्प लिया।

बोरीगारका (पाऊवारा) में 28 सितंबर से गूंजेगी श्रीराम कथा , आचार्य युवराज पांडे करेंगे कथा वाचन , पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने लिया तैयारियों का जायजा

अंचल वर्मा – दुर्ग, उत्तई। जनता के गोठ।

दुर्ग – दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बोरीगारका (पाऊवारा) में धर्म और भक्ति का संगम होने जा रहा है। धर्म ज्योति सनातन सेवा समिति, दुर्ग ग्रामीण के तत्वाधान में सात दिवसीय भव्य श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कथा व्यास के रूप में गरियाबंद जिले के सुप्रसिद्ध युवा संत आचार्य श्री युवराज पांडे जी (आमली पदर वाले) अपने श्रीमुख से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र का वर्णन करेंगे। आचार्य जी अपनी ओजस्वी वाणी और सरल शैली के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में जाने जाते हैं। भव्य वाटर फ्रूफ पंडाल बन रहा है आकर्षण का केंद्र



आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। बारिश के मौसम को देखते हुए कथा स्थल पर विशाल और भव्य वाटर फ्रूफ डोम पंडाल की निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था होगी। साथ ही पेयजल, प्रकाश, ध्वनि विस्तारक यंत्र और पार्किंग की भी समुचित व्यवस्था की जा रही है। पूर्व गृहमंत्री ने स्थल का निरीक्षण किया

आज कार्यक्रम स्थल का जायजा लेने छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू बोरीगारका पहुंचे। उन्होंने पंडाल निर्माण कार्य और मंच व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धर्म ज्योति सनातन सेवा समिति के

सभी सदस्यों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि श्रीराम कथा जैसे आयोजन से समाज में सनातन संस्कृति और संस्कारों का प्रचार-प्रसार होता है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में

कथा में शामिल होने का आह्वान किया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन केवल कथा नहीं, बल्कि सनातन एकता का महापर्व है। समिति ने समस्त ग्रामवासियों, नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि इस पावन अवसर पर सपरिवार पधार कर श्रीराम कथा का पुण्य लाभ अर्जित करें और इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिस्वानी, कमलेश गजपाल, योगनारायण गजपाल, वेदनारायण साहू,रामसिंह सोनबोइर, सरपंच बोरीगारका चुष्मन यादव, जागेश साहू, राजेश साहू गिरीश साहू, दुस्मंत साहू, दुवरवा सोनबेर, कुलेश्वर जांगड़े सहित समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

कथा में शामिल होने का आह्वान किया। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन केवल कथा नहीं, बल्कि सनातन एकता का महापर्व है। समिति ने समस्त ग्रामवासियों, नगरवासियों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से अपील की है कि इस पावन अवसर पर सपरिवार पधार कर श्रीराम कथा का पुण्य लाभ अर्जित करें और इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिस्वानी, कमलेश गजपाल, योगनारायण गजपाल, वेदनारायण साहू,रामसिंह सोनबोइर, सरपंच बोरीगारका चुष्मन यादव, जागेश साहू, राजेश साहू गिरीश साहू, दुस्मंत साहू, दुवरवा सोनबेर, कुलेश्वर जांगड़े सहित समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

विधायक पुरन्दर मिश्रा का ‘सेवा संकल्प’: मेकाहारा में मरीजों को फल, वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का आशीर्वाद और नन्हें बच्चों को बांटे वस्त्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर रायपुर उत्तर में सेवा, संवेदना और जनकल्याण की अनोखी मिसाल; वरिष्ठ भाजपा नेता भी रहे शामिल।

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने जनसेवा और संवेदना की अनूठी मिसाल पेश की। औपचारिकता से दूर, विश्वायक मिश्रा ने पूरे दिन अस्पतालों के मरीजों, वृद्धाश्रम के बुजुर्गों और आंगनबाड़ी के नन्हे बच्चों के बीच पहुंचकर सेवा कार्य किए।

1. मेकाहारा में मरीजों का जाना हाल, बांटे फल
अभियान के अंतर्गत विधायक पुरन्दर मिश्रा डॉ. भीमराव अम्बेडकर



स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) पहुंचे। उन्होंने विभिन्न वार्डों में उपचाररत मरीजों और उनके परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए फल वितरित किए।

2. वृद्धाश्रम में बुजुर्गों का लिया आशीर्वाद
श्याम नगर स्थित ‘लावस वृद्धाश्रम’



3. श्री जगन्नाथ मंदिर में बच्चों के चेहरे पर बिखरी मुस्कान
गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर में रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों के नन्हे-मुन्हे बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम रखा गया, जहाँ बच्चों को वस्त्र उपहार स्वरूप दिए गए। नए कपड़े पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान विधायक मिश्रा ने

महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी से प्रधानमंत्री मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और निरंतर राष्ट्रसेवा की प्रार्थना की।
आयोजन में वरिष्ठ नेताओं की गरिमाययी मौजूदगी
इन विभिन्न सेवा आयोजनों के दौरान भाजपा संगठन और निगम-मंडलों के कई वरिष्ठ पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे:



प्रमुख अतिथि : भाजपा प्रदेश महामंत्री नवीन मार्कण्डेय, नागरिक आपूर्ति निगम (इहह) अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, छस्ठूछ्छ अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, अपेक्स बैंक अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश सिंह ठक्कर और रायपुर नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर।
अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता:

सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संजय कौपलवार, अकबर अली, अर्चना हुकरे, जितेंद्र गंडेचा, दलविंदर सिंह बेदी, अनूप खेलकर, सुधीर चौबे, आकाश तिवारी, महेश बघेल, खगपति सोनी, रोहित साहू, राहुल यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक मौजूद रहे।

फुडहर गौधाम में गौवंश की सुरक्षा और स्थायी शेड निर्माण के लिए 25 लाख रुपये स्वीकृत

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 अंतर्गत फुडहर गौधाम में गौवंश की सुरक्षा, बेहतर रखरखाव और स्थायी शेड निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे की मांग पर रायपुर जिला प्रभारी मंत्री (वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता व संसदीय कार्य मंत्री) श्री केदार कश्यप ने अपने स्वेच्छानुदान से 25 लाख रुपये की राशि तत्काल स्वीकृत की है।

औचक निरीक्षण और त्वरित कदम
विगत दिनों महापौर मीनल चौबे ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निगम अधिकारियों के साथ फुडहर गौधाम का औचक निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था और गौवंश के लिए शेड की कमी दिखने पर महापौर ने अधिकारियों को व्यवस्था सुधारने के सख्त निर्देश दिए थे। महापौर के निर्देश पर तत्काल अस्थायी राहत के रूप में गौवंश की सुरक्षा के लिए तालपत्री (तिरपाल) की व्यवस्था की गई थी।



मांग पत्र पर मंत्री का तत्काल एक्शन

अस्थायी व्यवस्था के बाद शेड निर्माण और रखरखाव के स्थायी समाधान के लिए महापौर ने जिला प्रभारी मंत्री केदार कश्यप से मुलाकात की और लिखित मांग पत्र सौंपा। प्रभारी मंत्री ने जनहित और गौ-सेवा से जुड़े इस विषय पर त्वरित निर्णय लेते हुए

25 लाख रुपये की मंजूरी दे दी। राशि स्वीकृत होने पर महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने प्रभारी मंत्री केदार कश्यप का आभार जताया है। उन्होंने बताया कि स्वीकृत राशि से नियम अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी कर फुडहर गौधाम में स्थायी शेड निर्माण और सुरक्षा से जुड़े कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं को मानव सेवा के लिए किया प्रेरित

रायपुर/जनता के गोठ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के सपत्न 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से पूरे देश और प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा और समर्पण की भावना से प्रेरित होकर यह विशेष अभियान पूरे एक माह तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान माह भर समाज और जनसरोकार से जुड़े विभिन्न सेवा कार्यों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को अपने बस्तर प्रवास के दौरान महारानी अस्पताल जगदलपुर पहुंचकर स्वयं रक्तदान किया। इस दौरान वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी उपस्थित रहे। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करने और जरूरतमंदों के लिए रक्त की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महारानी अस्पताल तथा शासकीय मेडिकल कॉलेज, डिमरापाल में



वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शिविर में मौजूद अन्य रक्तदाताओं से आत्मीय भेंट कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने समाज के प्रति युवाओं की इस मुकदठ से सराहना की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि एक यूनिट रक्त आपातकालीन स्थितियों, गंभीर बीमारियों और दुर्घटनाओं में चालों के लिए जीवनरक्षक साबित होता है। इसके साथ ही उन्होंने शिविर में दिन-रात

सेवा दे रहे चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों और स्वयंसेवकों के समर्पण की भी प्रशंसा की। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, राष्ट्र निर्माण और समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण रहा है। उनके 25 वर्षों के इस सेवा पथ से प्रेरणा लेकर ही सेवा संकल्प अभियान शुरू किया गया है, जिसके तहत आगे एक महीने तक समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए विविध कार्य किए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश के युवाओं से आह्वान किया कि

वे भी इस अभियान से जुड़कर नियमित रक्तदान को अपनी आदत बनाएं और पीढ़ित मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाएं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महारानी अस्पताल में एड्स के प्रति जागरूकता, बचाव और इसके उपचार के आधुनिक संसाधनों पर आधारित एक ज्ञानवर्धक नाटक का मंचन भी देखा। कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस नाटक के माध्यम से बीमारी को लेकर समाज में फैली ध्रातियों को दूर करने और समय पर आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को अपनाने का संदेश दिया गया। उप मुख्यमंत्री ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि जनजागरूकता स्वास्थ्य अभियानों की सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है। महारानी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में आयोजित शिविरों में आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और युवाओं ने बहू-चढ़कर भाग लिया। उप मुख्यमंत्री के स्वयं रक्तदान करने से शिविर में मौजूद युवाओं का उत्साह दोगुना हो गया। दिनभर चले इस शिविर में बड़ी संख्या में रक्त यूनिट एकत्रित की गई, जिससे स्थानीय ब्लड बैंकों में रक्त की उपलब्धता और अधिक सुदृढ़ होगी।

सीतानदी कोर रेंज में बड़ी कार्रवाई: 106 हेक्टेयर वनभूमि अतिक्रमण मुक्त, महिला वनबल ने संभाला मोर्चा



वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देश पर USTR में चला अभियान; ISRO सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन से हुआ सीमांकन, 40 आरोपी गिरफ्तार

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर/गरियाबंद। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व (USTR) की सीतानदी कोर रेंज में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 106 हेक्टेयर अतिक्रमित वनभूमि को मुक्त करा लिया है। जिला प्रशासन और पुलिस के सहयोग से चलाए गए इस अभियान की मुख्य कमान धमतरी, गरियाबंद, कांकेर और स्त्रक्र की महिला वन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संभाली।

आधुनिक तकनीक से सीमांकन और कार्रवाई - अतिक्रमण के सटीक आकलन के लिए USTR ने ISRO की सैटेलाइट इमेजरी और DGPS-आधारित ड्रोन मैपिंग का इस्तेमाल किया। सैटेलाइट आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट हुआ कि वर्ष 2011-13 के दौरान दर्ज 45 हेक्टेयर का अतिक्रमण बढ़कर 106 हेक्टेयर तक पहुंच चुका था।

वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कुल 166 आरोपियों को चिन्हित किया गया है, जिनमें से 40 की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन और पौधरोपण - मुक्त कराया गया क्षेत्र महानदी के उदम स्थल के निकट स्थित है और एक प्रमुख हाथी कॉरिडोर का हिस्सा है। वन्यजीव आवासों को प्राकृतिक स्वरूप में बहाल करने के लिए विभाग ने तुरंत पुनर्स्थापन कार्य शुरू कर दिया है: 1,500 पौधों का रोपण: प्राकृतिक वनस्पति को पुनर्जीवित करने के लिए सघन पौधरोपण। जल व मृदा संरक्षण: कंटूर ट्रेच निर्माण, वर्षाजल संचयन और भू-जल पुनर्भरण के उपाय।

महिला वनबल की सराहना - दुर्गम और संवेदनशील परिस्थितियों में महिला वन अधिकारियों और कर्मियों ने अग्रणी भूमिका निभाई, जिसमें घुराबांड, बूरमांडा और भुरसीडोंगरी के ग्रामीणों का भी सहयोग मिला। पिछले चार वर्षों में USTR क्षेत्र के भीतर 1,000 हेक्टेयर से अधिक वनभूमि अतिक्रमण मुक्त कराई जा चुकी है। वन मंत्री केदार कश्यप ने महिला बल की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए अधिकारियों को मुक्त कराई गई भूमि की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर दीप प्रज्वलन को लेकर कांग्रेस का हमला, दीपक बैज बोले- ‘जनता के धन का अपत्यय किया गया’

कांग्रेस ने 17 सितंबर को मनाया ‘महंगाई-बेरोजगारी दिवस’ ; सरकार से पूछ- 40 लाख दीयों और तेल का बजट कहीं से आया?

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर छत्तीसगढ़ में आयोजित भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने राज्य की भाजपा सरकार पर सरकारी संसाधनों और जनता के धन का दुरुपयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। कांग्रेस ने इस दिन को ‘महंगाई-बेरोजगारी दिवस’ के रूप में चिन्हित करते हुए प्रदेश भर के जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ताएं आयोजित की हैं।

‘महंगाई के दौर में तेल जलाकर उसख मनाना संवेदनहीनता’ - प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने जारी बयान में



राहत चाहिए’ कांग्रेस का कहना है कि भाजपा जहाँ इसे ‘सेवा संकल्प अभियान’ के रूप में प्रचारित कर रही है, वहीं ज़मीनी हकीकत यह है कि युवा रोजगार, किसान फसल का सही मूल्य और महिलाएँ महंगाई से राहत माँग रही हैं। प्रदेश कांग्रेस विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला द्वारा जारी इस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया कि जनता के टैक्स के पैसे का इस्तेमाल किसी राजनीतिक व्यक्तिके जन्मोत्सव में करना बाती, परिवहन, सजावट और मंच व्यवस्था



की जिम्मेदारी किसे दी गई थी? सरकारी मशीनरी का उपयोग : यदि यह भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम था, तो इसमें पंचायत स्तर के कर्मचारियों और अधिकारियों को क्यों लगाया गया? जनता को दीये नहीं, रोजगार और

भाजयुमो निकालेगा ‘वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा’ : 10 राज्यों से गुजरेगी बाइक रैली, छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में होगा आगमन

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू किए गए ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) राष्ट्रव्यापी -वडनगर से वाराणसी सेवा यात्रा- निकालने का रहा है। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा ने इस ऐतिहासिक यात्रा की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि यह महज एक बाइक यात्रा नहीं, बल्कि देश की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण और सेवा के संकल्प से जोड़ने का विरल अभियान है।

10 राज्यों और 193 जिलों को जोड़ेगी यात्रा - भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि यह यात्रा 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक (21 दिन) निरंतर चलेगी: द्वि-मार्गी यात्रा (Two-Way Route): यह यात्रा एक साथ दो दिशाओं में शुरू होगी- पहला दल पीएम मोदी के जन्मस्थल वडनगर (गुजरात) से वाराणसी (यूपी) के लिए खाना होगा, वहीं दूसरा दल वाराणसी से वडनगर की ओर बढ़ेगा। 1,000 युवा ‘सेवा यात्री’: यात्रा में देश के कोने-कोने (तमिलनाडु, असम, पूर्वोत्तर, छत्तीसगढ़ आदि) से 1,000 समर्पित युवा शामिल होंगे। प्रत्येक



मार्ग पर 25 बाइक और 50 यात्री चलेंगे। 20 पवित्र नदियों के नाम पर रूट: भारत की नदियों व सभ्यता को दर्शाते हुए यात्रा के 20 अलग-अलग मार्गों (टोलियों) का नामकरण देश की पावन नदियों के नाम पर किया

गया है। विशाल नेटवर्क : यह अभियान देश के 10 प्रमुख राज्यों (गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार) के 193 जिलों, 773

* स्वच्छता और श्रमदान* से स्वागत: यात्रा का स्वागत हार-फूलों के बजाय ‘स्वच्छता’ से होगा। जिस संगठनात्मक जिलों से होकर यात्रा के 4 रूट्स गुजरेंगे। आस्था, संस्कृति और सेवा का अनूठा संगम - राहुल टिकरिहा ने यात्रा के प्रतीकात्मक और सामाजिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया: जलाभिषेक परंपरा : वडनगर से चलने वाले सेवा यात्री गुजरात की नदियों का जल लेकर काशी विश्वनाथ धाम में जलाभिषेक करेंगे। वहीं, वाराणसी से चलने वाले यात्री उत्तर प्रदेश की पावन नदियों के जल से वडनगर स्थित श्री हाटकेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक करेंगे।

स्वामी,मुदक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com